समाचार

युवा वर्ग कलीसिया में लचीलापन लाने की कुंजी है

एमसीसी यूनाइडेट नेशन्स स्टाफ के साथ एक मीटिंग के दौरान एमडब्ल्यूसी के जनरल सेक्रेटरी सीजर गार्सिया, फरवरी 2018। बाएं से दाएं: एब्बी हेर्शबर्गर (प्रोग्राम असिस्टेंस), थियेन त्रान (आईवप इन्टर्न), कैटी गैरीसन (प्रोग्राम एसोसिएट), एमडब्ल्यूसी जनरल सेक्रटरी सीजर गार्सिया और एमसीसी यूएन ऑफिस निदेशक डॉग होस्टेट्टर। फोटो क्रेटिड: एमसीसी यूनाइटेड नेशन्स ऑफिस।

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: मंगलवार, 24 जुलाई

वियतनाम मेनोनाइट कलीसिया की ओर से आप सभों को नमस्कार!

अपने इतिहास में, वियतनाम मेनोनाइट चर्च (वीएमसी) के सदस्य अपने लचीलेपन को और मसीह के द्वारा दिखाए गए शान्ति के मार्ग का अनुसरण करने के अपने समर्पण को दर्शाने में कभी असफल नहीं हुए।

वीएमसी की स्थापना 1964 में सियागोन (अब हो ची मिन्ह शहर) में हुई, तब से इस कलीसिया ने आशा, दुख, और पुर्नस्थापना के बहुत से दौर देखे हैं। और उनके इस लचीलेपन का एक रहस्य है। वीएमसी ने कलीसिया के विकास में युवाओं की भूमिका पर बहुत जोर डाला है। युवा अपनी धारणाओं के प्रति दृढ़ बने रहते हैं। उनके पास उर्जा और कौशल होता है, और सहीं दर्शन व मार्गदर्शन से, वे इससे भी अधिक योगदान दे सकते हैं।

हम युवाओं को आगे आ कर जिम्मेदारियों को वहन करते हुए अगुवाई करने उत्साहित करते हैं। हम बाइबल के इस पद को अत्यंत महत्व देते हैं:कोई तेरी जवानी को तुच्छ न समझने पाए; पर वचन, और चाल चलन, और प्रेम, और विश्वास, और पवित्रता में विश्वासियों के लिए आदर्श बन जा (1 तीमुथियुय 4:12)।

यह कार्य हमने तब ही आरम्भ कर दिया था जब 50 वर्ष पूर्व कलीसिया की स्थापना हुई थी, और आज भी हम इसे कायम रखे हुए हैं।

जब अमरीका–वियतनाम युद्ध 1975 में समाप्त हुआ, उस समय वियतनामी कलीसिया और मेनोनाइट विश्वव्यापी समुदाय के बीच का संवाद लगभग कटा हुआ था। चार दशकों तक, हमें एक भूमिगत कलीसिया माना जाता रहा।

परन्तु 2009 में, वीएमसी को वियतनामी सरकार की ओर से कलीसिया के रूप में कार्य करने का कानूनी दर्जा प्राप्त हो गया। उस

वर्ष, बाद में, हम पैरागुए के विश्व सम्मेलन में मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस (एमडब्ल्यूसी) के सदस्य बन गए। हमने यह जाना कि अब मेनोनाइट विश्व समुदाय के साथ फिर से जुड़ने का समय आ चुका है।

मेनोनाइट विश्व समुदाय से जुड़े रहने का एक तरीका वालेन्टियर्स एक्चेंज के कार्यक्रम हैं, जैसे एमसीसी के द्वारा संचालित आइवेप और यामेन कार्यक्रम (एमडब्ल्यूसी के साथ मिलकर)। हम कलीसिया में युवाओं के मध्य में से उपयुक्त जवानों का चयन करते हैं कि वे विदेश जा कर एक वर्ष के लिए इस स्वैच्छिक सेवा में भाग लें।

इस एक वर्ष के दौरान, ये जवान विदेश में कलीसिया के राजदूत की तरह कार्य करते हैं, और लौटने पर, वे वीएमसी और एमडब्ल्यूसी की अन्य सदस्य कलीसियाओं के बीच मित्रता और आपसी सहयोग कायम करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

वापस आने के बाद एमसीसी से मिले अनुभवों का उपयोग भी इन युवा अगुवों के द्वारा कलीसिया को दृढ़ता प्रदान करने के लिए किया जाता है। मुझे एमसीसी का ध्येय सचमुच में बहुत सराहनीय लगा: मसीह के नाम पर राहत, विकास, और शान्ति।

इस आशा और समर्पण के साथ एमसीसी के साथ सेवा करने वाला वियतनाम का मैं तीसरा युवा था। हम सब ने अपना समय पूरा किया और अब हम तैयार थे कि मित्रता और पहुनाई की गवाहियों को वापस जा कर अपने लोगों के साथ बाँटे, और यह भी कि किस प्रकार से यह अनुभव विश्वव्यापी ऐनाबैपटिस्ट समुदाय के प्रति हमारे दृष्टिकोण को विस्तार प्रदान करता है।

इण्डोचाइना युद्ध के समय, एमसीसी राहतकार्य करने और अमरीका और वियतनाम के बीच में शान्ति स्थापित करने के लिए वियतनाम आई थी। युद्ध के बाद, अन्य गैर सरकारी संस्थाएं अमरीकी टुकड़ियों के साथ लौट चुकी थीं, तौभी, एमसीसी वही रह कर विकास कार्यो को करती रही, और वियतनाम के लोगों की सहायता करती रही। इस आदर्श का अनुसरण उत्तर कोरिया, इराक, सीरिया, डीआरकांगो, और युद्ध से प्रभावित अन्य क्षेत्रों में भी किया जा रहा है। लोगों की राजनैतिक या धार्मिक व्यवस्थाओं से ऊपर उठ कर, एमसीसी इच्छुक लोगों के साथ मिलकर कार्य करती है।

भविष्य आशा और अपेक्षाओं से भरा हुआ है, जबकि युवा स्वयंसेवक कलीसिया की सहायता कर रहे हैं कि यह मेनोनाइट विश्व समुदाय के साथ जुड़ी रहे, और वियतनाम और अन्य स्थानों में परमेश्वर का कार्य करने के लिए नए अवसर उत्पन्न हो।

मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस और मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी के लिए थियेन फुको त्रान द्वारा जारी संयुक्त विज्ञप्ति। थियेन एक पासवान के पुत्र हैं जो दक्षिण वियतनाम स्थित हो ची मिन्ह शहर के वियतनाम मेनोनाइट चर्च (वीएमसी) में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने 2017–18 में एमडब्ल्यूसी आईवेप के इन्टर्न के रूप में अमरीका के न्यूयार्क सिटी में अपनी सेवाएं दी।

दक्षिण विश्व के ऐसे युवा जो मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस (एमडब्ल्यूसी) की सदस्य कलीसियाओं के सदस्य हैं, जिन्हें अन्तर्राष्ट्रीय सम्पर्क के विषय में कुछ जानकारी हो और जो संघर्ष निवारण और शान्ति स्थापना के प्रति दृढ़ संकल्प रखते हों, वे मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी यूनाइटेड नेशन्स ऑफिस, न्यूयार्क सिटी में एक वर्ष के इन्टर्नशीप के लिए आवेदन कर सकते हैं। लैटिन अमरीका और कैरेबियाई देशों के युवाओं को विशेष रूप से उत्साहित किया जाता है।